–Save This Page as a PDF–

# [illegible]

## [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 2

रकम में बेचा जा सकता था। जाहिर है, जिसके पास जितनी अधिक भेड़ें होंगी वह उतना ही अधिक पैसा कमा सकता है, इसलिए चरवाहेअपने झुंड पर बहुत सावधानी से नजर रखते थे। उन्होंने दिन के दौरान सुरक्षित चराई प्रदान करने के लिए अपने स्वयं के आराम का त्याग किया और रात के दौरान चोरों और शिकारियों से झुंड की रक्षा करने के लिए अपनी सुरक्षा को जोखिम में डाला। इसलिए, एक चरवाहे के लिए अपने प्रत्येक जानवर को व्यक्तिगत रूप से जानना और प्रत्येक को नाम से बुलाना असामान्य बात नहीं थी।

एक अच्छा चरवाहा कभी भी रात होने पर अपने झुंड को मैदान में नहीं रहने देता था; चोर और जंगली जानवर अंधेरे का फायदा उठाकर उसकी भेड़ें चुरा सकते थे और मार सकते थे। यदि चारागाह गाँव के काफी करीब था, तो भेड़ों को रात के लिए खेत से सामुदायिक भेड़-बाड़े में ले जाया जाता था, जिसकी रखवाली एक नामित द्वारपाल द्वारा की जाती थी। सुबह में, पर्याप्त चरने के लिए अपने झुंडों को जंगल में ले जाने से पहले, चरवाहे केवल अलग-अलग दिशाओं से बुलाकर झुंडों को अलग कर सकते थे। भेड़ें अपने चरवाहे की आवाज जानकर उसके पीछे-पीछे चलती थीं। चरवाहे हमेशा अपनी भेड़ों के साथ हफ्तों तक तारों के नीचे डेरा डाले रहते थे। जैसे ही हर शाम अंधेरा होता, वे झुंड को एक गुफा या किसी अन्य प्राकृतिक घेरे में बंद कर देते और प्रवेश द्वार पर सो जाते, मानो खुद को एक जीवित द्वार बना लेते।

राज्य और चर्च की भेड़-बाड़े के संबंध में, यीशु द्वार है। यीशु ने अभी-अभी जन्म से अन्धे मनुष्य को चंगा किया था और कहा था: मैं न्याय करने के लिये इस जगत में आया हूं, कि अन्धे देखें, और जो देखते हैं वे अन्धे हो जाएं। कुछ फरीसियों ने जो उसके साथ थे, उसे यह कहते हुए सुना और पूछा, “क्या? क्या हम भी अंधे हैं” (यूहन्ना ९:३९-४०)? तो यहाँ, येशुआ एक रूपक के साथ जवाब देता है। फरीसी सामान्य देहाती परिदृश्य से परिचित थे, लेकिन शब्दों के पीछे के आध्यात्मिक अर्थ को नहीं समझ सके। संक्षेप में, हाँ, वे भी अंधे थे! मुख्य चरवाहे ने आगे कहा: फरीसियों, मैं तुम से सच सच कहता हूं, जो कोई फाटक से भेड़शाला में प्रवेश नहीं करता, परन्तु किसी और मार्ग से चढ़ जाता है, वह चोर और डाकू है।फरीसियों ने, जिन्होंने यह सिखाकर तोरा को विकृत कर दिया था कि मौखिक ब्यबस्था (Ei– मौखिक ब्यबस्था देखें) तोरा के बराबर या उससे भी बेहतर था, उन्होंने लोगों सेसच्चाईचुरा ली थी और उनका आशीर्वाद छीन लिया था। फरीसियों के विपरीत, जो द्वार से प्रवेश करता है, उसे भेड़ों का चरवाहा माना जाता है (योचनान १०:१-२)। उसेप्रवेश करने का अधिकार है और इसकी पहचान तब होती है जब द्वारपाल उसके लिए द्वार खोलता है।

निकट पूर्वी चरवाहा कभी भी अपने झुंड को पीछे से नहीं चलाता, बल्कि हमेशा आगे चलता है, और उन्हें सड़कों और पहाड़ियों के पार नए चरागाहों तक ले जाता है। जैसे-जैसे वह जाता है, उसके लिए ऊंचे गाने वाली आवाज में उनसे बात करना असामान्य नहीं है। द्वारपाल उसके लिये द्वार खोलता है, और भेड़ें उसकी आवाज सुनती हैं। वह अपनी भेड़ों को नाम लेकर बुलाता है और उन्हें बाहर ले जाता है। जब वह अपने सब लोगों को बाहर निकाल लाता है, तो उनके आगे आगे चलता है, और उसकी भेड़ें उसके पीछे हो लेती हैं, क्योंकि वे उसका शब्द पहचानती हैं (यूहन्ना १०:३-४)।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 4

लोगों ने मसीहा का अनुसरण करने के लिए समृद्ध व्यवसाय छोड़ दिए। येशुआ द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रचुरता एक आध्यात्मिक प्रचुरता है जो आय, स्वास्थ्य, रहने की स्थिति और यहां तक कि मृत्यु जैसी परिस्थितियों से भी परे है।

प्रचुर जीवन वह जीवन है जो कभी समाप्त नहीं होता; फिर भी हमें इस प्रचुरता को प्राप्त करने और इसका आनंद लेने के लिए अपने भौतिक जीवन के अंत तक प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। प्रचुर जीवन में शांति, उद्देश्य, नियति, जीने का एक वास्तविक उद्देश्य, किसी भी प्रतिकूलता का सामना करने की खुशी – कब्र सहित – बिना किसी डर के, और आत्मविश्वासपूर्ण आश्वासन के साथ कठिनाई सहन करने की क्षमता शामिल है।

मैं अच्छा [सच्चा] चरवाहा हूं (यूहन्ना १०:११ए; यहेजकेल ३४:२३, ३७:२४, भजन २३; यूहन्ना २१:१५-१७; इब्रानियों १३:२०; प्रथम पतरस ५:४ भी देखें)। यीशु का मजबूत कथन: मैं हूँ (ग्रीक: ईगो ईमी), जिसे अच्छे [सच्चे] चरवाहा वाक्यांश के साथ जोड़ा गया है, मूल भाषा में विशेष रूप से जोरदार है। यह यीशु के सात मैं हूँ में से चौथा है (योचनान ६:३५, ८:१२, १०:७, ११:२५, १४:६, १५:१)। सिनोप्टिक गॉस्पेल के अनुसार दृष्टान्त मसीहा द्वारा अपनी शिक्षा प्रस्तुत करने का प्राथमिक तरीका था। इस संबंध में, कई अन्य लोगों की तरह, सिनोप्टिक्स और योचनान के गॉस्पेल के बीच एक तीव्र और आसानी से देखने योग्य विरोधाभास है। युहन्नामें कोई दृष्टांत नहीं हैं। चरवाहोंके बारे में दृष्टान्तों के बजाय हम पाते हैं: मैं अच्छा चरवाहा हूँ, और चरवाहे के बारे में सामान्य कथन, लेकिन कोई कहानी नहीं। इसके बाद जो कुछ होता है वह उस उत्पीड़न का स्पष्ट पूर्वाभास है जो वह सहेगा, हमारी ओर से उसकी स्थानापन्न मृत्यु पर जोर देता है।

अच्छा [सच्चा] चरवाहा भेड़ के लिए अपना जीवन दे देता है (यूहन्ना १०:११बी)। एक चरवाहे का जीवन बहुत खतरनाक हो सकता है जैसा कि डेविड द्वारा भालू और शेरों के खिलाफ अपने झुंड की रक्षा करते हुए चित्रित किया गया है (प्रथम शमूएल १७:३४-३५, ३७)। याकूब ने भी एक वफादार चरवाहा होने के श्रम और परिश्रम का अनुभव किया (उत्पत्ति ३१:३८-४०)। यीशु ने कहा: मैं अच्छा [सच्चा] चरवाहा हूँ। तानाख में ईश्वर कोअपने लोगों का चरवाहा कहा गया है (भजन संहिता २३:१, ८०:१-२; सभोपदेशक १२:११; यशायाह ४०:११; यिर्मयाह ३१:१०)। ब्रिट चादाशाह में, येशुआ को महान चरवाहा (इब्रानियों १३:२०-२१) और मुख्य चरवाहा (प्रथम पतरस ५:४) भी कहा गया है।

अच्छे [सच्चे] चरवाहेके विपरीत, जो अपनी भेड़ों का मालिक है, उनकी देखभाल करता है, उन्हें खिलाता है, उनकी रक्षा करता है और उनके लिए मर जाता है, वह जो मजदूरी के लिए काम करता है – भाड़े के आदमी – की प्रतिबद्धता समान नहीं है क्योंकि वह भेड़ों का मालिक नहीं है। वह केवल पैसा कमाने और आत्म-संरक्षण में रुचि रखता है। इसलिए जब वह भेड़िये को आते देखता है तो भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है। फिर भेड़िया हमला करता है (ग्रीक: हरपाज़ी), सचमुच झुंड को छीन लेता है (यह वही क्रिया है जिसका उपयोग योचनान १०:२८ में किया गया है) और उसे तितर-बितर कर देता है। वह आदमी भाग जाता है क्योंकि वह मज़दूर है और उसे भेड़ों की कोई परवाह नहीं है (यूहन्ना १०:१२-१३)। इस्राएल में कई झूठे भविष्यवक्ता, स्वार्थी राजा और नकली

[illegible] ([illegible]). [illegible]

[illegible] ([illegible] **Ms –** [illegible]) [illegible]

[illegible] ([illegible] **En-** [illegible]), [illegible] ([illegible] **Ft-** [illegible]), [illegible] ([illegible] **Cn-** [illegible]), [illegible] ([illegible] **Jy-** [illegible])

[illegible]

[illegible]

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 6

२६:४; यशायाह ११:१०, १९:१८, ५४:१-३, ६०:१-३; होशे १:१०; आमोस ९-१२; मलाकी १:११; भजन ७२ और ८७। यशायाह ४५:२३ इस संबंध में शाऊल द्वारा उद्धृत किया गया है)। चौकस यहूदियों की चेतना पर इस विचार का सबसे मजबूत प्रभाव जकर्याह १४:९ सीजेबी से आता है, जिसे प्रतिदिन अलेनु प्रार्थना में आराधनालय में पढ़ा जाता है: तब अडोनाई पूरी दुनिया पर राजा होगा। उस दिन यहोवा ही एकमात्र होगा, और उसका नाम ही एकमात्र नाम होगा। जबकि जकर्याह १४:९ सीजेबी साबित करता है कि अंततः ब्रित चादाशाह में पूजा अब की तुलना में कहीं अधिक यहूदी चरित्र की होगी, वर्तमान कविता (योचनान १०:१६), और नए नियम की छंद जो मैंने ऊपर उद्धृत की है, यह दर्शाती है कि परमेश्वर के चुने हुए लोगों के अंतिम रूप में वे गैर-यहूदी शामिल हैं जिन्होंने यहूदी धर्म में परिवर्तन नहीं किया है।

फिर से मसीहा ने अपनी मृत्यु की भविष्यवाणी करते हुए कहा: मेरे पिता मुझसे प्यार करते हैं इसका कारण यह है कि मैं अपना जीवन देता हूं – केवल इसे फिर से लेने के लिए। उनकी मृत्यु पूर्णतः स्वैच्छिक थी। कोई उसे मुझ से छीन नहीं लेता, परन्तु मैं अपनी इच्छा से उसे छोड़ देता हूं। यीशु इतिहास की शतरंज की बिसात पर एक असहाय मोहरा नहीं था। मेरे पास इसे छोड़ने का अधिकार है और इसे फिर से लेने का अधिकार है।यह पिता ही है जिसने येशुआ को बड़ा किया (रोमियों ८:११), लेकिन इस श्लोक के अनुसार यीशु के पास मृत्यु में भी स्वयं को पुनर्जीवित करने की शक्ति थी। यह आदेश मुझे अपने पिता से मिला (यूहन्ना १०:१७-१८)। यह हमें बताता है कि मसीह ने अपने पूरे जीवन को ईश्वर की आज्ञाकारिता के रूप में देखा। प्रभु नेउसे एक कार्य सौंपा था, और वह उसे अंत तक पूरा करने के लिए तैयार था – भले ही इसके लिए मृत्यु ही क्यों न हो। उसका हाशेम के साथ एक अनोखा रिश्ता है, जिसका वर्णन हम केवल यह कहकर कर सकते हैं कि वह ईश्वर का पुत्र है। लेकिन उस रिश्ते ने उसेअपनी इच्छानुसार कार्य करने का अधिकार नहीं दिया। यह सदैव उस पर निर्भर था कि वह वही करे जो उसके पिता को प्रसन्न करता हो। उसके लिए पुत्रत्व, और हमारे लिए उसकी संतान के रूप में, कभी भी आज्ञाकारिता के अलावा किसी अन्य चीज़ पर आधारित नहीं हो सकता है।

जिन यहूदियों ने ये बातें सुनीं वे फिर विभाजित हो गए।तीसरी बार, योचनान हमें बताता है कि यीशु की शिक्षा ने लोगों को विभाजित कर दिया (यूहन्ना ७:४३ और ९:१६)। उनमें से कई ने कहा, “वह राक्षस-ग्रस्त है और पागल हो रहा है (एक देखें – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबब द्वारा किया गया है, कि यह साथी राक्षसों को बाहर निकालता है)। उसकी बात क्यों सुनें?” परन्तु दूसरों ने कहा, “ये किसी दुष्टात्मा से ग्रस्त मनुष्य की बातें नहीं हैं। क्या दुष्टात्मा अंधों की आंखें खोल सकती है” (योचनन १०:२०-२१)? मसीहा ने पहले ही घोषित कर दिया था कि उसकी सच्चाई की तलवार लोगों को विभाजित करती है और उसकी आवाज़अपने लोगों को बुलाती है। जैसा कि अपेक्षित था, यूहन्ना ७:४३ और ९:१६ में हुआ धार्मिक अधिकारियों का विभाजन इस प्रवचन के परिणामस्वरूप यहां भी जारी रहा।

बूथ के त्योहार के बाद आठवां दिनईसा मसीह के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण था। भोर को वह उपदेश देने के लिये बैठ गया, और सब लोग मन्दिर में उसके चारों ओर इकट्ठे हो गए। लेकिन वह बाधित हो गया क्योंकि फरीसियों और टोरा-शिक्षकों ने व्यभिचार में पकड़ी गई एक महिला को

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 7

न्याय के लिए लाकर येशुआ को सार्वजनिक रूप से फंसाने और बदनाम करने की कोशिश की। उसके असफल होने के बाद, उन्होंने उस सुबह पढ़ाना जारी रखा। बूथों के उत्सव के सभी सात दिनों में प्रत्येक शाम, इस्राएलियों की भीड़ रोशनी जलाने के समारोह में भाग लेने के लिए महिलाओं के दरबार में जाती थी। उस समारोह ने उनकी ओर इशारा किया और उन्होंने घोषणा की: मैं दुनिया की रोशनी हूं। बाद में उस सुबह धार्मिक नेताओं ने यीशु के अधिकार को चुनौती देना जारी रखा, लेकिन प्रभु नेइब्राहीम से महान होने का दावा किया जब उन्होंने कहा: इब्राहीम के जन्म से पहले, मैं हूं।जन्म से अंधेएक व्यक्ति के चमत्कारी उपचार को लेकर येशुआ और फरीसियों के बीच संघर्ष स्पष्ट रूप से दोपहर तक जारी रहा। अंततः दोपहर में, मसीह ने अपने व्यस्त दिन का समापन किया जब उन्होंनेभीड़ से उन झूठे चरवाहों के बारे में बात की जिन्होंने उस समय देश पर शासन किया था।

क्या दिनहै! लेकिन यीशु ने और भी कई काम किये। यदि उनमें से हर एक को लिख लिया गया होता, तो मेरा मानना है कि पूरी दुनिया में भी उन पुस्तकों के लिए जगह नहीं होती जो लिखी जातीं (योचनान २१:२५)। हमने जो भी चमत्कार अनुभव किए हों, वे उन आश्चर्यों के लिए कुछ भी नहीं हैं जिन्हें हम अभी भी अनुभव कर सकते हैं। मसीहाका वर्णन करने के लिए हमारे शब्द शक्तिहीन हैं, और मानव पुस्तकें उसे पकड़ने के लिए अपर्याप्त हैं।

यीशु ने यहूदियों से कहा कि वह, अच्छा [सच्चा] चरवाहा, हमारे लिए स्वतंत्र रूप से अपना जीवन देगा। . . उसकी भेड़ें. बाद में, वह बारहों से कहेगा कि अपने दोस्तों के लिए अपना जीवन देने से बड़ा कोई प्रेम नहीं है (यूहन्ना १५:१३)।जीवन के राजकुमार ने उस प्रेम को बखूबी प्रदर्शित किया जब वह क्रूस पर मर गया, और हम में से प्रत्येक के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया।

यह सोचना चौंका देने वाला है कि यदि आप दुनिया में एकमात्र व्यक्ति होते, तो भी यीशु आपको बचाने के लिए स्वतंत्र रूप से अपना जीवन दे देते। यह वह अहसास था जिसने पतरस को ग्रेट सैन्हेड्रिन (देखें Lg– महान महासभा) के सदस्यों को यह बताने का साहस दिया कि मुक्ति किसी और में नहीं मिलती, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यजाति को कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें (प्रेरितों ४:१२) ।

हमारे पास आनन्दित होने का एक बड़ा कारण है! ईश्वर की बुद्धि, भले ही मानव मन को मूर्खतापूर्ण लगती हो, सबसे अंधकारमय क्षणों में भी विजय प्राप्त करती है। प्रभु के अलावा कौन यह पूर्व निर्धारित कर सकता है कि प्रिय पुत्रयेशुआ को उसके अपने लोगों द्वारा अस्वीकार कर दिया जाएगा और उसके अनुयायियों द्वारा त्याग दिया जाएगा? हाशेम नेस्वयं भी अपने पुत्र से मुंह मोड़ लिया, क्योंकि येशुआ हमारी ओर से पाप बन गया (देखें Lb– क्रूस पर यीशु के दूसरे तीन घंटे: परमेश्वर का क्रोध)। हालाँकि, यह परमेश्वर की अतुलनीय बुद्धि थी। वह हमसे इतना प्यार करता था कि उसने हमें अपने आलिंगन में वापस लाने के लिए स्वेच्छा से अपने इकलौते बेटे, जिसे वह किसी से भी या किसी भी चीज़ से अधिक प्यार करता था, का बलिदान दे दिया। यह वैसा ही है जैसे योचनान घोषणा करता है: देखो पिता ने हमें ईश्वर की संतान कहलाने

Gu – अच्छा चरवाहा और उसकी भेड़ें युहन्ना १०:१-२१ | 8

के लिए हम पर कितना प्यार लुटाया है (प्रथम योचनान ३:१ए सीजेबी)!

उस समय के दौरान जब चीजें अंधकारमय और निराशाजनक लगती हैं, हमें जीवन के प्रभु के प्रेमपूर्ण प्रावधान की ओर देखना चाहिए। जीवन की अप्रत्याशित त्रासदियों में भी, वह काम पर है, हमें अपने करीब आने के लिए आमंत्रित कर रहा है। ऐसे समय होते हैं जब उसकी बुद्धि हमसे इतनी दूर होती है कि हमारी एकमात्र प्रतिक्रिया विश्वास और विश्वास ही हो सकती है। इन क्षणों में, परमेश्वरहमसे प्रार्थना करने के लिए कहते हैं, “येशुआ, मुझे तुम पर भरोसा है।” जब मुसीबतें और अंधकार हमें घेर लेते हैं, तो हम कह सकते हैं, “पिता, मुझे अपनी बाहों में पकड़ लो।” जब जीवन असहनीय लगता है, तो हम क्रूस की ओर देखकर कह सकते हैं, “हे प्रभु, आप मेरे लिए मर गए। मेरे अविश्वास में मदद करो।”

पवित्र आत्मा, मेरा सहायकबनो। मेरी ताकत बनो और मेरे सामने यीशु मसीह की सच्चाई प्रकट करो। मैं अपने आप को आप पर छोड़ देता हूं और मैं जो कुछ भी हूं और जो कुछ भी मेरे पास है, उस पर आप पर भरोसा करता हूं। आमीन.